**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**28.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1901 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों से होने वाली दुर्घटनाओं में जंगली जानवरों की मौत**

**1901. श्री महेश पोद्दारः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि जंगली और अन्य जानवरों, विशेषकर हाथी, जोकि रेलगाड़ी दुर्घटना में मारे जाते हैं, की संख्या अत्यधिक बढ़ गई है, यदि हां, तो गत चार वर्षों के दौरान मारे गए ऐसे जानवरों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या रेलवे के अधिकारियों ने ऐसी मौतों को रोकने के लिए कोई कार्ययोजना तैयार की है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) और (ख): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*

रेलगाड़ियों से होने वाली दुर्घटनाओं में जंगली जानवरों की मौत के संबंध में 28.12.2018 को राज्‍य सभा में श्री महेश पोद्दार के अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1901 के भाग (क) और (ख) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क) : जी हां। ब्‍यौरा निम्‍नानुसार है :

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | रेलपथों पर मारे गए हाथियों सहित वन्य जीवों की संख्या  |
| 2015 | 19 |
| 2016 | 29 |
| 2017 | 25 |
| 2018 (नवंबर, 2018 तक) | 34 |

(ख): रेलपथ पार करते समय वन्य जीव और हाथियों की मौतों पर अंकुश लगाने के लिए पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के सहयोग से क्षेत्रीय रेलों द्वारा एक कार्य-योजना तैयार की गई है जिसमें निम्‍नलिखित शामिल हैं :-

(i) पहचाने गए स्‍थानों में गति प्रतिबंध लगाना,

(ii) चिह्नि‍त हाथी गलियारों के बारे में रेल इंजन ड्राइवरों को सावधान करने के लिए संकेत चिह्न बोर्ड की व्यवस्था करना,

(iii) नियमित आधार पर ट्रेन कर्मीदल और स्टेशन मास्टरों को संवेदनशील बनाना,

(iv) रेलवे भूमि के अंदर रेलपथ के आसपास वनस्पति की आवश्यकता अनुसार सफाई करना,

(v) चिह्नित स्थलों पर हाथियों की आवाजाही के लिए भूमिगत मार्गों और रैम्प पथों का निर्माण करना,

(vi) सुनसान स्थलों पर बाड़ (फेंसिंग) लगाना, और

(vii) रेलवे के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए रेलवे कंट्रोल ऑफिस में वन विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की गई है और स्‍टेशन मास्‍टर और रेल इंजन ड्राइवरों को सावधान करने और समय पर कार्रवाई करने के लिए वन विभाग द्वारा हाथी ट्रैकरों को तैनात किया गया है।

\*\*\*\*\*\*